संघ को आगे बढ़ाने जुटी युवाशक्ति

युवाओं में हो कठिनाईयों को झलने का मादा : आचार्य महाश्रमण

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद का 44वां वार्षिक अधिवेशन शुरू

सरदारशहर 23 अक्टूबर, 2010

आचार्य महाश्रमण ने कहा कि युवा अवस्था कार्य करने की महत्वपूर्ण अवस्था है। युवाओं में कठिनाइयों को झलने का मादा, अन्याय से लड़ने की इच्छा शक्ति और मान-अपमान को सहन करने की शक्ति होनी चाहिए।

उक्त विचार उन्होंने तेरापंथ भवन में आज से प्रारंभ हुए त्रिदिवसीय अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के 44वें वार्षिक अधिवेशन में देशभर से पहुंची युवाशक्ति को संबोधित करते हुए व्यक्ति किये। इस अधिवेशन में युवाशक्ति को धर्मसंघ की विभिन्न गतिविधियों को आगे बढ़ाने हेतु विशेष तौर पर तैयार किया जायेगा। आचार्य महाश्रमण ने अधिवेशन के उद्घाटने सत्र में कहा कि यौवन, धन, सत्ता अनर्थकारी नहीं है, अनर्थकारी है अविवेक। सत्ता में आने वाले के साथ विवेक जुड़ा हुआ है तो वह जनता की सेवा कर सकता है।

आचार्य महाश्रमण ने युवाओं को व्रत, युयुत्सा और कर्तव्यनिष्ठा के प्रति जागरूकता रखने की प्रेरणा देते हुए कहा कि युवाओं में व्रत की चेतना जागनी चाहिए। श्रावक के 12 व्रतों को समझकर अपनाने के लिए उत्साहित हो यह जरूरी है। उन्होंने कहा कि विलासित जीवन के लिए अभिशाप है। युवक विलासिता में न जाएं। तीसरी बात है कर्तव्यनिष्ठा अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहना चाहिए। जब इन तीनों बातों को जीवन में समाहित कर लिया जाता है तो युवा अवस्था सार्थक हो जाती है।

परिषद् के प्रभारी मुनि दिनेशकुमार ने कहा कि तेरापंथ धर्मसंघ का दान-दया का सिद्धांत बहुत महत्त्वपूर्ण है। युवाओं को तेरापंथ दर्शन गहराई से समझकर सुन्दर प्रस्तुति देने की योग्यता अर्जित करनी चाहिए। राष्ट्रीय अध्यक्ष गौतमचन्द डागा ने अधिवेशन के उद्घाटन की घोषणा करते हुए सज्पूर्ण देश की शाखा परिषदों से पहुंचे युवाओं का स्वागत किया एवं अपने एक वर्षीय कार्यकाल की रिपोर्ट प्रस्तुत की। कार्यक्रम का मंगलाचरण नरेन्द्र नाहटा एवं प्रकाश श्रीश्रीमाल ने लक्ष्य गीत के द्वारा किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष गौतम डागा ने अधिवेशन की किट् आचार्य महाश्रमण को भेंट की। आभार सहमंत्री निलेश बैद ने किया। संचालन राष्ट्रीय महामंत्री रमेश सुतरिया ने किया।

जैन विद्या कार्यशाला का परीक्षा परिणाम घोषित

जैन विश्व भारती के शिक्षा विभाग समण संस्कृति संकाय एवं अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के द्वारा आयोजित जैन विद्या कार्यशाला का परीक्षा परिणाम आज घोषित किया गया। संकाय के पर्यवेक्षक राजकुमार फतावत एवं परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष गौतम डागा ने परिणाम की प्रथम कॉपी आचार्य महाश्रमण को समर्पित की। परिषद् के पर्यवेक्षक निलेश बैद ने सज़्पूर्ण देश में आयोजित हुई जैन विद्या कार्यशाला की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि इस परीक्षा में 1334 परिक्षार्थियों ने 56 परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षाएं दी। इनमें पीलीबंगा की दीपिका ओमप्रकाश जैन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया और द्वितीय स्थान पर लुधियाना के किशनलाल मोहनलाल पटावरी एवं कालांवली के विनीत कुमार जैन रहे। तृतीय स्थान अहमदाबाद की विनीता राकेश गुगलिया को मिला। निलेश बैद ने बताया कि केन्द्रों के अनुसार सज़्पूर्ण परीक्षा परिणाम www.terapanthinfo.com वेबसाईट पर देखा जा सकता है

Shital Bardia